सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 50 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 25 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3/-

सही बात को सही वक्त पर कहा जाये तो उसका मजा ही कुछ और है।
-जावेद अख्तर

2024 में भाजपा की सरकार को उखाड़... 7 | लोकतंत्र का सबसे कारगर हथियार... 3 | लोस की सदस्यता के अपहरण से... 2

मुझे जेल में डाल दें, सवाल तो पूछूंगा : राहुल गांधी

लोस से अयोग्य होने के बाद प्रेस के सामने आए कांग्रेस नेता

मोदी ने विपक्ष को एक हथियार दे दिया

राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मोदी जी ने विपक्ष को एक हथियार दे दिया है। अब पूरा विपक्ष एकजुट होकर अपनी बात और आक्रामक तरीके से उठा सकता है। उन्होंने विपक्षी नेताओं का उनको समर्थन देने के लिए आभार भी जताया। इस वार्ता में राहुल गांधी के साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौजूद रहे। प्रेस कांफ्रेंस में उनकी बहन प्रियंका भी मौजूद रही। हालांकि वह पत्रकारों की दीर्घा में बैठी हुई थीं।

सब समाज एक हैं, सबको एक होकर चलना है

मैंने पहले भी कहा है सब समाज एक हैं, सबको एक होकर चलना है, भाईचारा होना चाहिए, सबमें प्यारा होना चाहिए, नफरत नहीं होनी चाहिए, हिंसा नहीं होनी चाहिए, ये ओबीसी का मामला नहीं है।

» कहा- लोकतंत्र पर आक्रमण हो रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज एकबार फिर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुझे चाहे जेल में डाल दिया जाए मैं जनता की आवाज उठाता रहूंगा। सरकार व मोदी जी से सवाल पूछता रहूंगा, अडानी और पीएम के बीच क्या रिश्ता है। बता दें गुजरात की सूरत कोर्ट से आपराधिक मानहानि के मामले में सजा मिलने के बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द हो गई है।

संसद से अयोग्य घोषित होने के बाद शनिवार (25 मार्च) को राहुल गांधी पहली बार मीडिया के सामने आए। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के लोकतंत्र पर आक्रमण हो रहा है, इसके रोज नए-नए उदाहरण मिल रहे हैं, राहुल गांधी ने ये भी कहा कि मुझे मारो-पीटो, जेल में डालो, फर्क नहीं पड़ता, मैं सवाल पूछना बंद नहीं करूंगा। वहीं उन्होंने कानूनी मामलों पर बोलने से दूरी बनाई ।

मेरे अगले भाषण से डरे प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मोदी मेरे अगले भाषण से डरे हुए हैं, आखिर कोई अडानी को मिले पैसों पर जवाब क्यों नहीं दे रहा है। रक्षा मंत्रालय को भी इस पर सवाल करना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि पैसे किसके हैं ये पता चलना बहुत जरूरी है। जनता समझ चुकी है कि अडानी भ्रष्टाचारी आदमी है, और अब लोगों के मन में ये सवाल आया है कि इस भ्रष्ट आदमी को हिंदुस्तान का प्रधानमंत्री क्यों बचा रहा है। बीजेपी के लोगों ने कहा कि अडानी पर आक्रमण देश पर आक्रमण है, इनके दिमाग में देश अडानी है और अडानी देश है।

मैं किसी से नहीं डरता

राहुल ने कहा कि मैं किसी चीज से नहीं डरता हूं, आप मुझे जेल में डालकर नहीं डरा सकते, ये मेरा इतिहास नहीं है, मैं हिंदुस्तान के लिए लड़ता रहूंगा, संसद में मुझे बोलने नहीं दिया गया, मैंने संसद के स्पीकर को चिट्ठी भी लिखी, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। संसद से मेरे भाषण हटाया गया, लेकिन मैं सवाल पूछना बंद नहीं करूंगा।

20 हजार करोड़ किसके हैं

अडानी जी की शेल कंपनी हैं, उसमें 20 हजार करोड़ रुपये किसी ने निवेश किया, अडानी जी का पैसा नहीं है, पैसा किसी और का है, सवाल ये है कि ये 20 हजार करोड़ रुपये किसके हैं। मैंने संसद में प्रूफ लेकर, मीडिया रिपोर्ट्स निकालीं. अडानी और मोदी जी के रिश्ते के बारे में डिटेल में बोला। ये रिश्ता नया नहीं है, रिश्ता पुराना है। मैंने इसको लेकर सवाल पूछा।

मेरे बारे में मंत्रियों ने झूठ बोला

मेरे बारे में मंत्रियों ने झूठ बोला, जबकि मैंने कोई ऐसी बात नहीं की थी जिसका दावा किया गया था। मैंने लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि मुझे जवाब देने का मौका मिले, लेकिन मौका नहीं मिला। कांग्रेस नेता ने कहा, मुझे सच्चाई के अलावा किसी चीज में दिलचस्पी नहीं है। मैं केवल सच बोलता हूं।

सीबीआई ने की तेजस्वी से पूछताछ

» बहन मीसा से ईडी का जवाब-तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो-सीबीआई बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में पूछताछ कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ उनकी बड़ी बहन और राज्यसभा सांसद मीसा भारती से प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर में सवाल-जवाब का सिलसिला जारी है। सीबीआई दफ्तर जाने से पहले तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने हमेशा जांच एजेंसियों का सहयोग किया है, लेकिन देश में स्थिति यह है कि झुकना बहुत आसान है और लड़ना बहुत मुश्किल हो गया है। हमने लड़ने का फैसला किया है और हम जीतेंगे।

बता दें कि तेजस्वी यादव को सीबीआई तीन बार पूछताछ के लिए समन जारी कर चुकी थी। बिहार के उपमुख्यमंत्री ने बीते बुधवार को सीबीआई की ओर से जारी समन को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट से उन्हें कोई राहत नहीं मिली और उन्हें 25 मार्च को सीबीआई के सामने पेश होने का आदेश दिया गया।

29 मार्च को दिल्ली की अदालत में सुनवाई

पिछले दिनों लालू परिवार से सीबीआई की पूछताछ और कई राज्यों में ईडी की छापेमारी के बाद दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 15 मार्च को सुनवाई हुई। कोर्ट ने लालू परिवार को तत्काल राहत देते हुए लालू यादव , राबड़ी देवी और बड़ी बेटी मीसा भारती को जमानत दे दी है। इस मामले में अगली सुनवाई 29 मार्च को होगी।

अयोग्य घोषित करने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

» सांसदी-विधायकी खत्म होने के खिलाफ याचिका दायर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगाई गई है, जिसमें मांग की गई है कि विधायी संस्थानों के चुने हुए प्रतिनिधियों को दोषी पाए जाने के बाद उन्हें अपने आप ही अयोग्य घोषित नहीं किया जाना चाहिए।

ज्ञात हो कि मोदी सरनेम पर मानहानि मामले में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट की ओर से सजा सुनाई गई और इसके ठीक अगले दिन उन्हें लोकसभा सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया।

ये है याचिका में मांग

सुप्रीम कोर्ट में दायर इस याचिका में लोक प्रतिनिधि कानून की धारा 8(3) की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है, जिसके तहत किसी भी मामले में कोर्ट द्वारा दोषी पाए गए जनप्रतिनिधि की विधायी संस्थान से सदस्यता अपने आप ही खत्म हो जाती है।

लोस की सदस्यता के अपहरण से नहीं होगी चुनौती खत्म

अखिलेश बोले- भाजपा सरकार के खिलाफ करना होगा बड़ा आंदोलन

» अधिकारियों से षड्यंत्र कराकर विपक्षी नेताओं को मुकदमों में फंसाती है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लोकसभा की सदस्यता के अपहरण से राजनीतिक चुनौती खत्म नहीं हो जाएगी। राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद होने पर उन्होंने कहा भाजपा सरकार पर लोकतंत्र की हत्या कर रही है।

भाजपा सरकार सदस्यता लेने के लिए विपक्षी सदस्यों को फंसाती है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सबसे बड़े आंदोलन संसद नहीं, सड़क पर लड़कर जीते गए हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि जिन महोदय ने मानहानि का दावा किया, दरअसल ये उन्हें अपने उन लोगों पर करना चाहिए जो अपने देश को धोखा देकर विदेश भाग गए, जिससे उनके नाम-मान को हानि पहुंची। अखिलेश ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता गई है, इसके पहले सपा नेता आजम खां व मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खां की सदस्यता ली गई। कानपुर के सपा विधायक की सदस्यता लेने के लिए अधिकारियों को साजिश के तहत लगाया जा रहा है। भाजपा सरकार अधिकारियों से षड्यंत्र कराकर विपक्ष के नेताओं को ऐसे मुकदमों में फंसाती है, जिससे सदस्यता चली जाय।

चुनाव देखकर मोदी कर रहे उद्घाटन

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अब 2024 का चुनाव देखकर वोट के लिए भाजपा सरकार शिलान्यास कर रही है। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार ने अब तक 17 बजट प्रस्तुत किए हैं, लेकिन आम जनता की आर्थिक स्थिति में सुधार होने के बजाय और दयनीय होती जा रही है। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है।

हर वर्ग के साथ अन्याय हो रहा

अखिलेश यादव ने कहा कि आज हर वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। भ्रष्टाचार चरम पर है। पुलिस फर्जी एनकाउंटर करती है। नोएडा और गौतमबुद्धनगर समेत तमाम स्थानों पर जब कभी फर्जी एनकाउंटर की जांच होगी, तो पुलिस के कई बड़े अधिकारी फसेंगे। अखिलेश यादव ने कहा भाजपा सरकार ने बेरोजगारी बढ़ाई है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। बिजली महंगी कर दी है। गैस सिलेंडर महंगे हो गए हैं। सरकार के पास जनता से जुड़े मुद्दों का कोई जवाब नहीं है। भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी और उसके मित्र उद्योगपतियों ने देश का जो पैसा डुबोया है, उस पर बहस नहीं करना चाहती है।

यूपी में कांग्रेस का नहीं खुलेगा खाता : केशव प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कहा कि कांग्रेस का आचरण रहा है कि पिछड़े वर्ग का वोट लेकर सरकार बनाना और फिर उन्ही का शोषण करना। गरीब और पिछड़े वर्ग के नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना कांग्रेस को रास नहीं आ रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव में यूपी में 80 सीट भाजपा को मिलेगी। देश मे भाजपा को 400 सीट मिलेगी। कांग्रेस का सफाया होगा। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे बताएं कि यूपीए सरकार में ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा क्यों नहीं दिया।

मोदी के पिछड़े वर्ग के होने के कारण कांग्रेस और गांधी परिवार उनका अपमान करता है। कांग्रेस को शताब्दी वर्ष 2047 तक सरकार नहीं बन सकती। राहुल गांधी तो देश के बाहर भी देश के खिलाफ बयानबाजी करते हैं। कांग्रेस भ्रष्टचार की संरक्षक बन गई है। राहुल को देश के पिछड़े वर्ग को जवाब देना चाहिए। देश की जनता मोदी का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। न्यायालय ने सजा सुनाई है उसे स्वीकार करना चाहिए। यदि उसके खिलाफ एक शब्द भी बोलेंगे तो यह न्यायालय का अपमान होगा। यूपी में कांग्रेस का खाता नहीं खुलेगा। मम्मी, दीदी या भैया कोई भी चुनाव लड़े कांग्रेस का खाता नहीं खुलेगा।

फ्री बिजली पर रोक लगाना चाहते हैं एलजी : आतिशी

» उच्चाधिकारी बिजली कंपनियों को दिलवाना चाहते हैं फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली बिजली मंत्री आतिशी ने विधानसभा में बिजली सब्सिडी से जुड़ा मुद्दा उठाया। इस दौरान उन्होंने उपराज्यपाल की शह पर मुख्य सचिव और बिजली सचिव पर साजिश के तहत फ्री बिजली पर रोक लगाने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं उन्होंने मुख्य सचिव व बिजली विभाग के उच्चाधिकारी बिजली कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए साठगांठ करने का भी दावा किया।

उन्होंने कहा कि बिजली सब्सिडी की अहम फाइल 15 दिन के भीतर कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत करनी की थी, लेकिन 14 दिन बीतने के बाद भी फाइल कैबिनेट तक नहीं पहुंची जबकि 14 दिन पहले उपराज्यपाल के कार्यालय से निकली फाइल मुख्यमंत्री व बिजली मंत्री तक पहुंचने की जगह मुख्य सचिव और बिजली सचिव के कार्यालय में घूम रही है। उन्होंने सवाल किया कि ऐसा कर आखिर क्या छुपाने का प्रयास किया जा रहा है।10 मार्च को मीडिया के माध्यम से उपराज्यपाल के यहां से लोगों को मिलने वाली 200 यूनिट फ्री बिजली से जुड़ी फाइल भेजने के बारे में मालूम हुआ था। यह फाइल कैबिनेट के सामने प्रस्तुत होनी थी।

क्या अपने नेता पर भाजपा करेगी कार्रवाई

» 2018 में खुशबू सुंदर के किए ट्वीट को लेकर कांग्रेस ने घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानहानी मामले में दोषी ठहराये जाने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त हो गई है। अब इस मामले पर कांग्रेस भाजपा पर हमलावर हो गई है। इस बीच सोशल मीडिया पर कलाकार से राजनीतिज्ञ बनीं खुशबू सुंदर का 2018 एक ट्वीट वायरल हो रहा है। यह ट्वीट उन्होंने 2018 में कांग्रेस पार्टी में रहते हुए किया था। फिलहाल खुशबू भाजपा में हैं और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य हैं।

2018 में किए गए एक ट्वीट में उन्होंने भी राहुल गांधी की ही तरह मोदी सरनेम पर सवाल उठाए थे। उन्होंने लिखा था, यहां मोदी वहां मोदी जहां देखो मोदी, ले ये क्या? हर मोदी के आगे भ्रष्टाचार सरनेम लगा हुआ है...मोदी मतलब भ्रष्टाचार... लेट्स चेंज द मीनिंग ऑफ मोदी टू करप्शन...सुट्स बेटर..नीरव, नमो=करप्शन...

कांग्रेस के कई नेताओं ने अब अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इस ट्वीट का स्क्रीनशॉट साझा किया और सवाल किया कि है क्या अब गुजरात के विधायक पूर्णेश मोदी खुशबू सुंदर के खिलाफ मामला दर्ज करेंगे, जो अब भाजपा में हैं और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य हैं।

कांग्रेस ने कर्नाटक में जारी की 124 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 124 उम्मीदवारों की पहली सूची शनिवार को जारी कर दी। इस सूची में पूर्व सीएम सिद्धारमैया और राज्य पार्टी अध्यक्ष डीके शिवकुमार के नाम मौजूद हैं। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया वरुणा सीट से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, डी के शिवकुमार कनकपुरा सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगे। इसके अलावा, मंगलोर से यूटी अब्दुल खादर अली फरीद. श्रृंगेरी से टीडी राजगौड़ा, शिवाजी नगर से रिजवान इरशाद, गांधीनगर से दिनेश गुंडू राव, विजय नगर से एम कृष्णप्पा और बेल्लारी आरक्षित सीट से बी नागेंद्र को टिकट दिया गया है। इससे पहले, पूर्व सांसद राहुल गांधी ने 20 मार्च को बेलगावी में एक चुनावी जनसभा में भाजपा पर जमकर हमला बोला। राहुल ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि केंद्र सरकार बेरोजगारी को कम करने के लिए कुछ नहीं कर रही है, इसलिए कांग्रेस पार्टी हर ग्रेजुएट्स बेरोजगार को 2 साल तक हर महीने तीन हजार रुपये की राशि देगी। वहीं, डिप्लोमा होल्डर्स को 2 साल तक हर महीने 1500 रुपये मिलेंगे।

राहुल को लगा लालू का श्राप : गिरिराज सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। शुक्रवार को रोहिणी आचार्या ने राहुल गांधी की सांसदी जाने पर अपने पिता लालू प्रसाद की बात की और अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने वह बोल दिया है, जो रोहिणी नहीं लिख-बोल सकी थीं। गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी को लालू प्रसाद यादव का श्राप लगा है। जब चारा घोटाले में आदेश आने पर लालू यादव की सदस्यता जाने वाली थी तो राहुल गांधी ने इससे राहत देने वाला अध्यादेश फाड़ दिया था, अब लालू के श्राप के कारण ही राहुल के कोर्ट से दोषी साबित होते ही सांसदी गई है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह अभी बिहार में हैं। उन्होंने राहुल गांधी की सांसदी जाने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया में लालू प्रसाद यादव को याद किया है। उन्होंने कहा- राहुल गांधी को लालू प्रसाद यादव का श्राप लगा है। जब चारा घोटाले में आदेश आया था और लालू प्रसाद की सदस्यता जाने वाली थी, तब राहुल गांधी उनसे नहीं मिलते थे। राहुल गांधी ने तब ऐसे मामले में अपील के प्रावधान से संबंधित अध्यादेश को फाड़ दिया था। तब लालू प्रसाद ने राहुल गांधी को श्राप दिया था, अब वह फलित हुआ है।

लोकतंत्र का सबसे कारगर हथियार पोस्टर

राजनैतिक दलों का संचार का प्रमुख साधन

- जनता तक अपनी बात पहुंचाने का माध्यम
- विपक्ष के घेरने में भी होता है प्रयोग
- पोस्टर छपवाने के हैं नियम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावी प्रक्रिया में भाषण, पोस्टर, रैली व नुक्कड़ सभाएं बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। ये सियासी दलों के वो हथियार हैं जिससे वो अपनी बात जनता तक पहुंचाते हैं। लेकिन आजकल कुछ सालों से ये हथियार राजनैतिक दलों का अपने विपक्षियों को घेरने का माध्यम बन गए। वैसे लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह जायज है कि किसी की सत्ता को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया जाये या किसी राजनीतिक दल अथवा नेता के खिलाफ पोस्टरबाजी की जाये। लेकिन यह जायज नहीं है कि पोस्टर लगाने वाला उसमें अपना नाम ही नहीं लिखे।

दिल्ली की सड़कों पर जो पोस्टर लगाये गये उसके चलते दिल्ली पुलिस ने सौ से ज्यादा एफआईआर कीं तो विपक्ष ने बखेड़ा खड़ा कर इसे तानाशाही करार दे दिया है। लेकिन पोस्टर लगाने के खिलाफ एफआईआर का विरोध करने वालों को सोचना चाहिए कि अनाम पोस्टर लगाने वाला अलगाववादी या आतंकवादी भी तो हो सकता है। आज देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ पोस्टर लगा है। यदि इस पर कार्रवाई नहीं हुई तो ऐसे तत्वों का हौसला बढ़ेगा और कल को किसी और के खिलाफ भी ऐसे पोस्टर लगाये जा सकते हैं। हालांकि बीजेपी भी पोस्टरवार में उतरी। वैसे, हम आपको याद दिला दें कि ऐसे ही पोस्टर तब भी सामने आये थे जब कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भारत वैक्सीन मैत्री अभियान के तहत अन्य देशों को भी कोरोना रोधी वैक्सीन मुहैया करा रहा था। तब दिल्ली में प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित बातें कहते हुए पोस्टर लगाये गये थे। उस समय भी और इस समय भी, दोनों ही बार इसके पीछे आम आदमी पार्टी का हाथ माना गया।

पोस्टर छपवाने का जो नियम है उसके तहत उसे छपवाने वाले का नाम और पोस्टर को छापने वाली प्रिंटिंग प्रेस का पूरा पता भी उसमें होना चाहिए। लेकिन दिल्ली में लगे पोस्टरों में इस नियम की अनदेखी की गयी। ऐसे में दिल्ली पुलिस यदि एफआईआर कर रही है तो उसमें क्या गलत है? बहरहाल, जी-20 की अध्यक्षता कर रहे भारत की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इस समय अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों का केंद्र बनी हुई है। ऐसे में सरकार के साथ ही सभी राजनीतिक दलों और जनता का प्रयास रहना चाहिए कि देश के विभिन्न भागों में हो रही जी20 की बैठकों के लिए जो विदेशी मेहमान दिल्ली आ रहे हैं या दिल्ली के रास्ते अन्य शहरों की ओर जा रहे हैं वह भारत की एक सशक्त और संपन्न देश की छवि अपने मन में लेकर जायें। देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ पोस्टरबाजी से अच्छा संदेश नहीं जाता। यदि सरकार की किसी नीति के प्रति विरोध करना है तो लोकतंत्र में उसके लिए जो स्वीकार्य तरीके हैं उनका उपयोग किया जाना चाहिए। राजनीति इस्तेमाल में लिए जाने वाला एक बहुत ही आम शब्द है फिर चाहे हम राजनीतिक दलों के संदर्भ में बात करें या किसी व्यापक ढांचे में इसकी बात करें। हम अक्सर विचारधाराओं और विचार प्रक्रियाओं को कायम रखते हुए राजनीति पर भाषण देने वाले राजनीतिक नेताओं का निरीक्षण करते हैं। लेकिन राजनीतिक नेताओं, छात्रों और शिक्षकों के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता के समूहों को भी यह विषय उनके असाइनमेंट या नौकरी में भाषण के हिस्से के रूप में संबोधित करने के लिए दिया जाता है। आप इन भाषणों को पढ़ें और प्रभावी भाषण तैयार करें।

भाषण व राजनीति में घना संबंध

आज के भाषण राजनीति से ज्यादा प्रभावित होते हैं क्योंकि यह हमेशा से एक चर्चित विषय रहा है चाहे आप किसी भी देश से संबंध रखते हो। राजनीति इतना आकर्षक विषय है कि हर किसी को कुछ न कुछ इस पर कहना। भाषण सामूहिक शक्ति का गठन, उसे व्यवस्थित, प्रसारित और विभिन्न सामाजिक संरचनाओं में उपयोग किया जाता है। यह विशिष्ट सामाजिक प्रक्रियाओं और संरचनाओं में निहित है। यह स्थिति उस समाज में होती है जहाँ असतत आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था होती है। सामाजिक दृष्टिकोण से राजनीति का अध्ययन सामाजिक संरचनाओं के भीतर राजनीतिक व्यवहार पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में होगा। यह पूरे सामाजिक ताने-बाने के संबंध में राजनीतिक रिश्तों की खोज के बारे में भी है जिसकी यह जड़ है। राजनीति सत्ता के बारे में है और यह तब उजागर होती है जब सत्ता में मतभेद होता है। वास्तव में राजनीति की अवधारणा मुख्य रूप से इस बिंदु पर जोर देती है कि प्रत्येक सामाजिक आधार में शक्ति संरचना शामिल होती है न कि केवल एक जगह जहां सत्ता के संदर्भ में सामाजिक भूमिकाएं आधिकारिक तौर पर बनाई जाती हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि सामाजिक जीवन के हर पहलू में शक्ति संरचनाएं शामिल हैं और इस प्रकार राजनीति को 'राजनीतिक नेताओं' का एकछत्र राज नहीं माना जा सकता। इसकी बजाए कोई भी प्रक्रिया जिसमें दूसरों पर शक्ति, नियंत्रण या समाज में मजबूती शामिल है वह आदर्श रूप से राजनीति है।

राजनीति राजनेताओं की गुलाम नहीं

दूसरे शब्दों में राजनीति सिर्फ राजनेताओं के लिए ही सीमित नहीं है बल्कि इससे भी कहीं अधिक है। राजनीति को एक दिमागी खेल के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है जहां समाज के प्रमुख वर्ग समाज के कमजोर वर्गों या हाशिए पर बैठे लोगों पर शासन करने की कोशिश करते हैं। हम अक्सर लोगों को यह कहते हुए सुन सकते हैं कि वे राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। राजनीति या राजनीतिक खेल खेलने से तात्पर्य किसी के लक्ष्य को समझने के लिए जोड़-तोड़, धूर्तता और गलत तरीकों का इस्तेमाल करना होगा। ज्यादातर नकारात्मक अर्थ इससे जुड़े होते हैं और इसमें सभी के लिए अच्छा सोचे बिना स्वार्थी हित शामिल हैं।राजनीति तब तक ही अच्छी है जब तक यह सभी के सामान्य हितों की रक्षा करें और यदि ऐसा नहीं है तो इसे कम से कम दूसरों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। लेकिन शायद ही कभी ऐसा होता है और अक्सर लोग दूसरों को अपने वश में करने और शीर्ष पर खुद को स्थापित करने के लिए भे? चाल का हिस्सा बन जाते है। राजनीति सीखने की बजाए मुझे लगता है कि लोगों को नैतिक मूल्यों और गरिमा को सीखना चाहिए ताकि वे खुद के जीवन को स्थिरता से जी सकें तो दुनिया वास्तव में सभी के लिए शांतिपूर्ण आश्रय बन सकती है। भले ही आप किसी भी क्षेत्र से हो मानव संबंधों को महत्व देना और मानव जाति को पोषित करने के लिए सभी छोटे हितों से ऊपर उठना महत्वपूर्ण है।

पोस्टर होते हैं मुद्दे का माध्यम

चुनाव जीतने के सबसे प्रमुख कारण में से एक होता है मुद्दा। अगर आप चुनाव मे आम जनता के मूद्दे नहीं उठा रहे हो तो आप बात है कि उनका मत आपकी ओर नहीं आएगा । इसलिए चुनाव जितने के लिए मुद्धें ही सबसे महत्वपूर्ण है । जो आप के क्षेत्र कि जनता चाहती हैं अगर आप उन्हीं मुद्दों पर बात करते हो तो जनता को लगेगा आप उनके हित कि बात कर रहे हो ओर उनका मत आपकी ओर आएगा । क्षेत्र कि जनता कि एक समिति बनानी पड़ेगी , अब आप उन से पूछिए कि आप जनता के क्या क्या मुद्दे है । और आप उन समिति के सदस्यों को आम जनता के बीच जाने की बोलो , कि आप आम जनता के बीच जाओ ओर उनकी समस्या पूछो फिर आप उन्हीं समस्याओं को अपना मुद्दा बनाओ जिससे आप को चुनाव में काफी हद तक फायदा होगा ।

विपक्ष की कमी और अपनी खूबियां रखना जरूरी

अपना प्रचार तो करना ही है लेकिन उसके साथ- साथ विपक्ष का भी प्रचार करना होता हैं , आप को अपनी खुबिया , अपने मुद्दे जनता के समक्ष रखने है उसके साथ ही आप को विपक्ष कि कमियों को भी गिनवाना है । आप को अपने ओर विपक्ष के काम गिनवाने है , आप को आपने मुद्दे और विपक्ष के मुद्दे दोनों जनता के सामने बताने है ओर जनता को इस बात का भरोसा दिलाना है कि हमारे मुद्दे और कार्य दोनों विपक्ष से अच्छे हैं । लेकिन आप को ये सब आचार संहिता का पालन करते हुए ही करना है ।

चुनाव प्रचार में आचार संहिता का पालन जरूरी

चुनाव में शांति बनाए रखने के लिए आचार संहिता लागू कि जाती है । इस लिए हमे प्रचार आचार संहिता का पालन करते हुए ही करना चाहिए । आचार संहिता के कहीं सारे नियम होते हैं उनका पालन करना अनिवार्य है, अगर आप आचार संहिता के नियमों का पालन नहीं करते है तो आप के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है ओर आप को चुनाव से बाहर तक निकला जा सकता हैं। इस लिए चुनाव प्रचार करने से पहले आचार संहिता के नियमों को पूरा पड़े और अपने चुनाव प्रचार में उन नियमों का पालन करें । ऑनलाइन प्रचार : आज के दौर में ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगभग हर युवक के पास स्मार्ट फोन है , लगभग हर युवक व्हाट्सएप ऐप या फेसबुक का उपयोग करता है , तो आप ऑनलाईन अपने विचारो को अपने क्षेत्र कि जनता तक पहुता सकते हैं । आप व्हाट्सएप ऐप पर एक गुरूप बना सकते हैं जिससे आप अपने चुनाव का प्रचार कर सके , इसके अलावा आप फेसबुक पर अपने चुनाव प्रचार का एक पेज बना सकते हैं उससे भी आपके चुनाव प्रचार में फायदा मिलेगा। ऑफलाइन प्रचार : अभी हमने ऑनलाइन प्रचार के बारे में जाना अब हम ऑफ़लाइन प्रचार के बारे में बात करेंगे । ऑफलाइन प्रचार ऑनलाइन प्रचार के मुकाबले ज्यादा फायदे मंद होता हैं । ऑफलाइन प्रचार आप बैनर लगाकर , स्टीकर लगाकर या सीधे जनता से मिलकर कर सकते हैं । जिससे आप जनता के बीच जाओगे तो उनको भी अच्छा लगेगा कि हमारा नेता हमारे गर तक आया है , इसके अलावा आप सीधे उससे बात कर सकते हैं और उन्हें अपनी और आकर्षित कर सकते हैं ।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सियासत में जारी रहेगा वार-पलटवार

राहुल गांधी के जिस बयान को लेकर संसद में गतिरोध का ताजा दौर शुरू हुआ, वह विदेश में दिया गया था और उसका सार यही था कि भारत में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। सरकार के लिए जरूरी था कि वह अपने व्यवहार से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनने वाली इस धारणा को अप्रासंगिक या निरर्थक साबित करे। चिंता की बात यह है कि सही हो या गलत, विपक्षी नेताओं पर कानून व्यवस्था का कसता शिकंजा लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। लोकतंत्र में सत्ता के साथ-साथ विपक्ष का होना जरूरी है मजबूत विपक्ष से सत्ता पक्ष पर अंकुश रहता है।

बहुत तेजी से घटे घटनाक्रम में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को एक मानहानि के मामले में सजा मिली और उसके बाद उनकी संसद सदस्यता खत्म कर दी गई। इस फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे। इस फैसले से हो सकता है कांग्रेस व राहुल गांधी को आने वाले चुनाव में फायदा हो जाए। इस फैसले का भाजपा को भारी नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आने वाला समय ही बताएगा की इस फैसले का दोनों पार्टियों पर क्या असर होता है। पर इतना तो पक्का है इससे पूरे देश में सियासी महौल में गरमी 2024 के लोकसभा चुनाव तक बनी रहेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को गुरुवार को गुजरात के सूरत कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई थी। अगले ही दिन उनकी संसद सदस्यता रद्द कर दी गई। वह केरल की वायनाड सीट से लोकसभा सदस्य थे। मानहानि के एक मामले में सूरत कोर्ट का फैसला आने के बाद जिस तेजी से लोकसभा सचिवालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने का ऐलान किया, वह भारतीय राजनीति के लिए नई चीज है। हालांकि जो हुआ, वह नियम-कानून के अनुरूप ही है।

यह बात भी दिलचस्प है कि जिस कानून के तहत राहुल गांधी की संसद सदस्यता छिनी है, वह 2013 में खुद उन्हीं के हस्तक्षेप के बाद बना था। तब राहुल गांधी ने तत्कालीन यूपीए सरकार द्वारा लाए जा रहे इस कानून से राहत दिलाने से संबंधित अध्यादेश की कॉपी सार्वजनिक तौर पर फाड़ दी थी। इस लिहाज से विरोधी यह तर्क दे सकते हैं कि जिस कानून की हिमायत खुद राहुल गांधी ने इतनी शिद्दत से की थी, उसके लागू होने पर कांग्रेस इतनी हाय-तौबा क्यों मचा रही है। लेकिन यह सिक्के का सिर्फ एक पहलू है। लोकतंत्र में कानून की बारीकियों की अहमियत तो होती है, लेकिन यह सवाल भी कम महत्वपूर्ण नहीं होता कि आम लोग किसी मुद्दे को किस रूप में देखेंगे। और आम लोगों के नजरिए से इस सवाल को अनदेखा करना मुश्किल है कि अपराध चाहे जो भी हो, खुद अदालत ने भी सजा पर अमल से पहले इसके खिलाफ अपील के लिए राहुल गांधी को 30 दिनों की मोहलत दी थी। जल्दबाजी में लिए गए फैसले को बीजेपी द्वारा सही ठहराना आसान नही होगा। कांग्रेस नेता इस मुद्दे को जोरशोर से उठाकर जनता के बीच जाएंगे। जनता पर उनकी अपील का असर हो सकता है। हालांकि बीजेपी इसे पिछड़ों के अपमान से जोड़कर राहुल गांधी को घेरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ेगी। जनता पर किसकी बात का ज्यादा प्रभाव होगा, यह साफ होने में थोड़ा वक्त लगेगा। लेकिन जिस तरह से इस प्रकरण ने विपक्ष की तमाम पार्टियों को राहुल गांधी के समर्थन के लिए मजबूर कर दिया है, वह बीजेपी के लिए एक अलग तरह की चुनौती पेश करेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जन-भागीदारी से ही जल संकट का समाधान

दीपक कुमार शर्मा

ऋग्वेद में वर्णित है कि जल आनंद का स्रोत है, ऊर्जा का भंडार है। कल्याणकारी है। पवित्र करने वाला है और मां की तरह पोषक तथा जीवनदाता है। दरअसल, जल इतना महत्वपूर्ण है कि इसके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं। साथ ही पीने योग्य जल धरती पर अत्यल्प मात्रा में उपलब्ध है। ऐसे में दुनियाभर में पानी व्यर्थ न बहाने व साथ ही बचाने की कोशिशें जारी हैं। जन जागरूकता अभियान सरकारों व अन्य संस्थाओं के स्तर पर जारी है। इसी के तहत जल बचत, संचय व पुन: उपयोग करने जैसे लक्ष्य तय किये जाते हैं। इसी क्रम में हम जल दिवस मनाते हैं। लेकिन इन सबके बावजूद जल संरक्षण का संदेश बार-बार देना पड़ता है। देखा जाये तो जीडीपी, रोजगार सब व्यर्थ हैं, अगर पानी नहीं होगा।

हम पानी पीते तो हैं, मगर पानी के बारे में जानने की कोशिश नहीं करते। हालांकि जल संरक्षण एक नागरिक के तौर पर भी हमारा दायित्व है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए (छ) के मुताबिक, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है- वनों, झीलों, नदियों और वन्य जीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना। जीवन की मूलभूत आवश्यकता पानी है। मानव विकास के लिए पेयजल की सुनिश्चित उपलब्धता बहुत महत्वपूर्ण होती है। देश के लिए पानी खासी अहमियत रखता है। दुनिया की कुल आबादी में से लगभग 18 प्रतिशत लोग और 15 प्रतिशत मवेशी भारत में रहते हैं। लेकिन दुनिया की कुल जमीन में से हमारे पास मात्र 2 प्रतिशत भूमि और मीठे पानी के 4 प्रतिशत संसाधन हैं। अनुमानों के अनुसार, साल 1951 में मीठे पानी की प्रति व्यक्ति वार्षिक उपलब्धता 5177 घन मीटर थी जो 2019 में लगभग 1368 घन मीटर रह गयी, जो 2025 में घटकर संभवत: 1293 घन मीटर रह जाएगी। यदि यह गिरावट जारी रही तो वर्ष 2050 में मीठे पानी की प्रति व्यक्ति उपलब्धता घटकर 1140 घन मीटर ही रह जाएगी जो कि चिंता का विषय है।

देश की आबादी बढ़ने से पानी की खपत भी बढ़ रही है। पानी भू-जल के रूप में 28 प्रतिशत ही बचा है, जबकि पीने का पानी, खेती, उद्योग, सब में भू-जल का उपयोग कर रहे हैं। असल में जब तक निर्वहन और पुनर्भरण में संतुलन नहीं होगा, तब तक देश पानीदार नहीं बन सकता। भारत सरकार जल संरक्षण को लेकर प्रयास कर रही है। चाहे जल जीवन मिशन हो, अमृत सरोवर योजना हो या अटल भू-जल योजना हो। पंद्रह अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल जीवन मिशन की घोषणा की थी। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2024 तक

हर घर को नल से जल देना है। उस समय देश में सिर्फ 16.66 प्रतिशत घरों को नल से जल मिल रहा था। इसकी तुलना में अब 59.10 प्रतिशत घरों को नल से जल मिल रहा है। पानी के संचय को लेकर अमृत सरोवर योजना के माध्यम से 15 अगस्त, 2023 तक देश भर के प्रत्येक जिले में 75-75 तालाबों का निर्माण किया जाएगा। नए तालाब खोदे जाएंगे और पुराने पुनर्जीवित किये जायेंगे। इसी दिशा में एक अन्य कदम अटल भू-जल योजना है। इसके तहत देश के 7 राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भू-जल प्रबंधन में सुधार करना है। यहां सवाल उठता है कि क्या सिर्फ सरकार के प्रयासों से जल संरक्षण हो पाएगा। सच तो यह है कि जब तक जन सहभागिता नहीं होगी, जल संरक्षण नहीं होगा। पानी हम सबकी साझी संपत्ति है। पानी के ऊपर सबका समान अधिकार है तो हमें जल संरक्षण की दिशा में मिलकर काम करना होगा ताकि आने वाली पीढ़ी को जल संकट का सामना न करना पड़े। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, 2030 में कई शहर ऐसे होंगे जहां जमीन के नीचे का पानी खत्म हो चुका होगा। देश की 6 प्रतिशत जीडीपी दर पानी न होने के कारण प्रभावित होगी। अब भी देश के महानगर चेन्नई में 2000 फुट गहरे तक पानी नहीं है। पानी को लेकर हमारी मन: स्थिति अलग-अलग है। कोई भी इंसान बोतलबंद पानी का दुरुपयोग नहीं करता है। लेकिन नल के जल की हम बेपरवाह होकर बर्बादी करते हैं क्योंकि हमें लगता है पानी मुफ्त में मिल रहा है। जबकि सच यह है कि सरकार हमें हमारे ही पैसों से पानी उपलब्ध करवाती है। प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व बनता है कि वह पानी बचाकर व संचित कर सरकारी पैसे का सदुपयोग करे।

नल से जल का सही इस्तेमाल करे। ऐसे में सभी स्तरों पर जल संरक्षण की 5 आर रणनीति कारगर साबित हो सकती है। पहली, रिड्यूस यानी जल का व्यय कम करना, रियूज यानी जल का पुन: प्रयोग करना, रिचार्ज यानी वर्षा जल का संचय करना। रिसाइकिल यानी जल का पुनर्चक्रण करना। रिस्पेक्ट अर्थात जल का आदर करना। सरकारी योजनाओं के साथ ही इस रणनीति को अपनाकर हरेक नागरिक की जल संरक्षण में सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी। मौजूदा व आने वाली पीढ़ियों को जल मिलता रहे, इसके लिए जल संरक्षण की दिशा में सबको मिलकर काम करना होगा।

विलुप्त जीवों को फिर जीवित करने की पहल

मुकुल व्यास

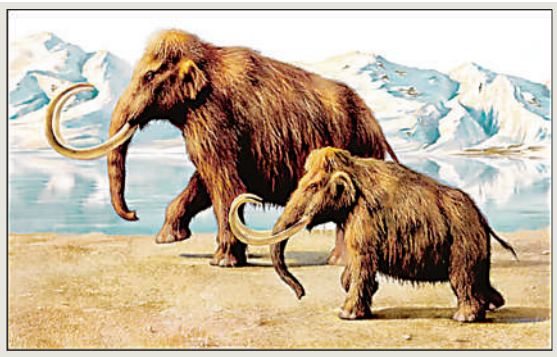

वैज्ञानिक काफी समय से डोडो और ऊनी मैमथ जैसे विलुप्त हो चुके जीवों को फिर से जीवित करने की योजना बना रहे हैं। कोलोसल बायोसाइंसेज नामक एक अमेरिकी कंपनी ने डोडो और अन्य विलुप्त प्रजातियों को पुनर्जीवित करने की परियोजना के लिए 14 करोड़ डॉलर से अधिक राशि जुटाई है। ध्यान रहे कि डोडो पक्षी मॉरीशस में पाए जाते थे। कबूतर जैसा यह पक्षी उड़ान नहीं भर सकता था। द्वीपों पर पाए जाने वाले कई उड़ान रहित पक्षियों की तरह डोडो बंदरों और बिल्लियों के शिकार बने जिन्हें लोगों के प्रवासन के माध्यम से लाया गया था। यह पक्षी 1600 के मध्य दशक में विलुप्त हो गया। एक बार उम्मीद जगी थी कि क्लोनिंग तकनीक कुछ विलुप्त प्रजातियों को पुनर्जीवित कर सकती है। साइबेरिया के परमाफ्रॉस्ट (स्थायी तुषार भूमि) में जमे हुए मैमथ पाए जाने के बाद वैज्ञानिक काफी उत्साहित हो गए थे। लेकिन बाद में पता चला कि उनके जीन बहुत खंडित थे।

हाल के वर्षों में डीएनए को क्रमबद्ध करने में भारी प्रगति हुई है जिसकी वजह से वैज्ञानिक काफी समय पहले विलुप्त हो चुके जीवों का आनुवंशिक कोड स्थापित करने में सक्षम हो गए हैं। तस्मानियाई बाघ, पैसेंजर पिजन (एक तरह का जंगली कबूतर) और ग्रेट औक (उड़ान-रहित पक्षी) एक सदी पहले विलुप्त हो गए थे। इनके जीनों को क्रमबद्ध किया जा चुका है। इसी तरह कुछ हजार साल पहले विलुप्त हो चुके हाथी के रिश्तेदार ऊनी मैमथ के जीनों को भी क्रमबद्ध किया जा चुका है। सबसे बड़ा आश्चर्य उस समय हुआ जब 1997 में एक स्वीडिश वैज्ञानिक ने निएंडरथल मानव के डीएनए का नक्शा बनाने में कामयाबी हासिल की जो 40,000 से अधिक वर्ष पहले विलुप्त हो चुका था। पिछले साल डोडो के आनुवंशिक कोड को समझने में कामयाबी मिली। जुरासिक पार्क फिल्म दिखाए दृश्यों के सजीव होने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि करोड़ों वर्षों पहले मृत हो चुके डायनासोरों के जीवाश्म दुर्लभ हैं और उनकी आनुवंशिक सामग्री बहुत पहले ही बिखर चुकी है। पेड़ों के तनों की गोंद (एम्बर) में कैद में मच्छरों से डायनासोरों के जीन निकालना एक साइंस फिक्शन फिल्म के लिए एक अच्छा प्लॉट बन सकता है लेकिन व्यवहार में यह काम नहीं कर सकता। हालांकि डोडो के मामले में आनुवंशिकी कुछ आसान दिखती है।

विलुप्त प्रजातियों के पुनर्जन्म से पहले वैज्ञानिकों को तीन और छलांगें लगानी होंगी। ये सभी वर्तमान में असंभव हैं लेकिन भविष्य में यह संभव हो सकता है। सबसे पहले वैज्ञानिकों को विलुप्त प्रजाति के जीवित रिश्तेदार की कोशिका के जीनों को संपादित करने में सक्षम होना पड़ेगा ताकि उन्हें विलुप्त प्रजातियों के समान बनाया जा सके। डोडो के लिए निकटतम चचेरा भाई निकोबार कबूतर है और मैमथ भारतीय हाथी का निकटतम रिश्तेदार है। 2012 में जीन संपादन के आविष्कार के बाद विलुप्त जीवों को फिर से जिंदा करने की बात अब साइंस फिक्शन नहीं रह गई है। लेकिन वर्तमान जीन संपादन तकनीक एक कबूतर के जीनोम (एक कोशिका में पाए जाने वाले डीएनए का पूरा सेट) से एक डोडो जीनोम बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सटीक रूप से काम नहीं कर सकती क्योंकि इसके लिए लाखों तरह के छोटे-मोटे बदलाव की आवश्यकता होती है। फिर भी प्रौद्योगिकी तेजी से आगे बढ़ रही है और एक दशक के भीतर कबूतर कोशिका में डोडो के समस्त जीनों को फिट करना संभव हो सकता है।

अगला कदम उस कोशिका को एक पक्षी में बदलना होगा। कुछ साल पहले यह भी असंभव लगता था। स्कॉटलैंड के रोसलिन इंस्टिट्यूट के वैज्ञानिकों ने एक बत्तख के भ्रुण में मुर्गे की कोशिकाओं को प्रत्यारोपित करने का तरीका खोजा है। एक दिन घरेलू कबूतरों का एक नर और मादा का सेट डोडो के शुक्राणु और डोडो के अंडे पैदा करने में सक्षम हो जाएगा। दोनों मिलकर एक संपूर्ण डोडो को जन्म देंगे। मैमथ को फिर से जीवित करना अधिक कठिन होगा क्योंकि मैमथ भ्रुण को प्रत्यारोपित करने के लिए उपयुक्त गर्भ खोजना होगा क्योंकि भारतीय हाथी बाहरी भ्रुणों को अस्वीकार कर देंगे। कोलोसल कंपनी का कहना है कि वह एक कृत्रिम गर्भ बनाने की योजना बना रही है लेकिन यह कार्य इतना आसान नहीं होगा।

इस प्रक्रिया के अगले कदम के रूप में कुछ स्वस्थ नए नमूनों को पालना होगा। उन्हें प्रजनन के लिए तैयार करना होगा और आनुवंशिक रूप से विविध आबादी उत्पन्न करनी होगी जो जंगल की परिस्थितियों में जीवित रह सके। इस प्रयोग में कुछ चीजें गलत भी हो सकती हैं। उदाहरण के लिए जीन संपादन के दौरान एक छोटी सी गलती होने पर विलुप्त प्रजाति के शुरुआती जानवर भयानक रूप से विकृत हो सकते हैं। विलुप्त जीवों को फिर से जिंदा करने की योजना कई सवाल खड़े करती है। क्या ऐसा किया जा सकता है? क्या यह सुरक्षित रहेगा और क्या यह नैतिक है? लेकिन जहां तक विलुप्त जीवों को पुनर्जीवित किए जाने के खिलाफ नैतिक आपत्तियों की बात है तो उनमें से कई निराधार निकलीं। वास्तव में हम निश्चिंत हो सकते हैं कि एक विलुप्त प्रजाति अपने साथ नई बीमारियां वापस नहीं लाएगी। हालांकि, परमाफ्रॉस्ट में मिले मैमथ हाथियों के अवशेष अनेक प्रकार के रोगाणुओं को संरक्षित कर सकते हैं। इनसे खतरा हो सकता है लेकिन नवजात जानवर कोई जोखिम उत्पन्न नहीं करते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि जानवर किसी कारण से विलुप्त हो जाते हैं इसलिए बेहतर है कि उन्हें विलुप्त ही रहने दिया जाए। लेकिन इस 'कारण' के पीछे ज्यादातर मनुष्य का लालच रहा है। उसने ग्रेट औक्स पक्षी को तकिए की भराई में बदल दिया। मनुष्य की लापरवाही भी एक बड़ा कारण है। जिन जानवरों ने डोडो को मार डाला, वे लोगों द्वारा ही मॉरीशस लाए गए थे।

गंदे कोलेस्ट्रॉल को 30 दिन में खत्म कर देंगी ये जड़ी बूटियां

अश्वगंधा

यह आयुर्वेदिक जड़ी बूटी कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद कर सकती है। डॉक्टर के अनुसार, रोजाना 1 ग्राम तक की अलग-अलग खुराक लेने से खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायता मिलती है।

अर्जुन का पाउडर

डॉक्टर के अनुसार, 3 हफ्ते तक दिन में दो बार 5 ग्राम अर्जुन पाउडर लेने से एचडीएल (अच्छा) कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने और एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल को काफी कम करने में मदद मिल सकती है।

शिलाजीत

डॉक्टर का मानना है कि बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए रोजाना 300 से 500 मिलीग्राम शिलाजीत लेना फायदेमंद हो सकता है। यह ट्राइग्लिसराइड्स को भी कम करने में सहायक है।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से आपको दिल के रोगों, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ सकता है, इसे कम करने के लिए अंग्रेजी दवाएं नहीं बल्कि आयुर्वेदिक उपाय आजमाकर देखें। हाई कोलेस्ट्रॉल आज के समय की एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गया है। कोलेस्ट्रॉल मोम की तरह दिखने वाला एक गंदा पदार्थ होता है, जो रक्त वाहिकाओं में इकठ्ठा हो जाता है और उन्हें जाम यानी ब्लॉक कर देता है। इससे वाहिकाएं सख्त हो जाती हैं और ब्लड फ्लो धीमा या थम जाता है। ऐसा होने से शरीर के अंगों को ब्लड नहीं मिल पाता जिससे हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हार्ट डिजीज सही कई गंभीर और जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है।

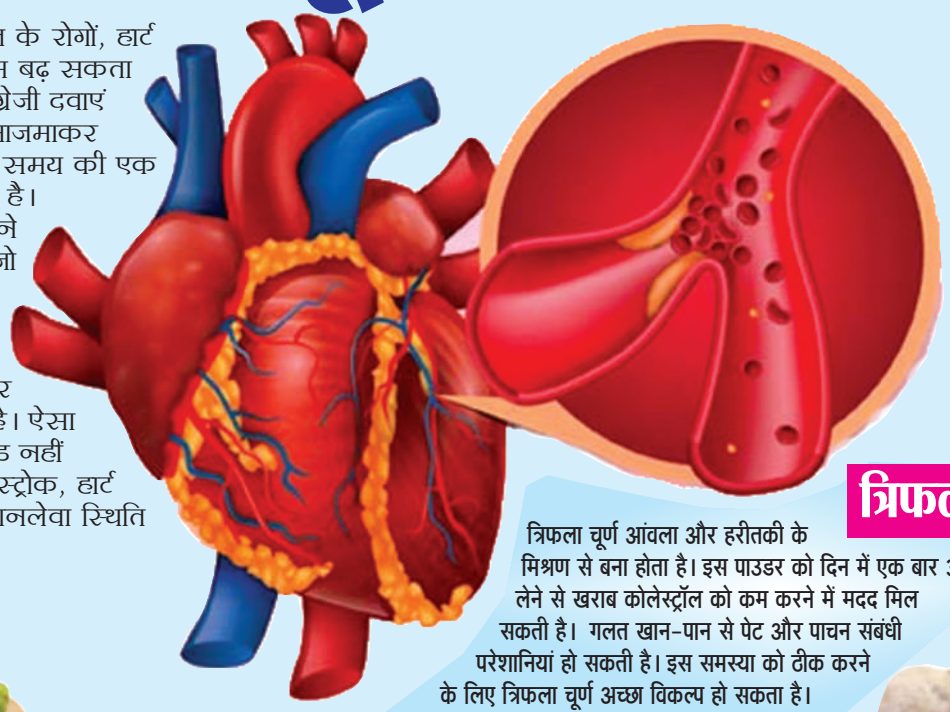

ऐसे कम करें कोलेस्ट्रॉल

बहुत से लोग कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने के लिए दिन-रात स्टैटिन जैसी दवाएं खा रहे हैं। हालांकि एक्सपर्ट मानते हैं कि हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज करके बैड कोलेस्ट्रॉल को कम किया जा सकता है। अगर आप 30 दिन में कोलेस्ट्रॉल कम करने के सस्ता और असरदार उपाय खोज रहे हैं, तो अंग्रेजी इलाज की तुलना में आयुर्वेद में कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए खाने-पीने का ध्यान रखना, मालिश, योग, श्वास तकनीक, जीवनशैली में बदलाव, व्यायाम, सफाई, हीट थेरेपी, एनीमा और हर्बल सप्लीमेंट शामिल हैं। सबसे बड़ी बात आयुर्वेदिक उपचारों का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है जबकि दवाओं के मामले में यह संभव है।

त्रिफला

त्रिफला चूर्ण आंवला और हरीतकी के मिश्रण से बना होता है। इस पाउडर को दिन में एक बार 3 ग्राम लेने से खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिल सकती है। गलत खान-पान से पेट और पाचन संबंधी परेशानियां हो सकती है। इस समस्या को ठीक करने के लिए त्रिफला चूर्ण अच्छा विकल्प हो सकता है।

हरीतकी

रोजाना खाना खाने के बाद 1.5 ग्राम हरीतकी पाउडर ले सकते हैं। यह गंदे कोलेस्ट्रॉल को कम करने और दिल को स्वस्थ रखने के लिए एक बढ़िया औषधि है।

एमके-0616 कम करती है कोलेस्ट्रॉल

एमके-0616 दवा कोलेस्ट्रॉल यानी गंदे कोलेस्ट्रॉल को तोड़ने में मदद मिलती है। इस दवा का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। यह दावा स्टैटिन के साथ अच्छी तरह से काम करती है। ओरल पिल होने के कारण इसे लेना आसान है और साथ ही इसकी लागत कम है।

हंसना मना है

टीचर- कल क्यों नहीं आया? पप्पू- नहीं बताऊंगा? टीचर चांटा मारकर- जल्दी बता, पप्पू- दिवाली पर गर्लफ्रेंड के साथ था। टीचर- इतना छोटा होके भी गर्लफ्रेंड के साथ घूमता है, कौन थी वो लड़की? पप्पू- आपकी बेटी !!!

सुनसान सड़क पर एक आवारा लड़का लड़की को देखकर बोला- मेरे साथ चलोगी? लड़की- कहां? लड़का- जहां तुम कहो..!! लड़की- अच्छा, तो पुलिस स्टेशन चलते हैं...!! लड़का- लो बताओ, अब बंदा अपनी बहन से मजाक भी नहीं कर सकता...!!

लड़की ट्रेन में एक लड़के से बोली- क्या मैं यहां बैठ सकती हूं? लड़का- हां हां, बिल्कुल, अपनी ही सीट समझो...! लड़की- क्या मैं आपकी बोतल से थोड़ा पानी पी सकती हूं? लड़का- हां हां, जरूर...! लड़की- अगला स्टेशन कौन-सा है भैया? लड़का- मेरे दिमाग में कोई जीपीएस नहीं लगा है....!! लड़की- जल्दी सीट खाली करो, मुझे नींद आ रही है...!!!

छत से कूदते समय बीवी से परेशान शख्स को पड़ोस की महिला आवाज देकर बोली-कूदकर कहां जाने का इरादा है... शख्स-दूसरे गोला पे... महिला-दूसरे गोले पर जाने से पहले एक बार मुझसे होली तो खेल लो... शख्स-हां, हां, हां...अभी आ रहा हूं... इस दिन का तो बेसब्री से इंतजार था...

कहानी | सत्य का साथ

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान छात्र थे। उनके तेज दिमाग और प्रभावशाली बातों की वजह से सभी उनकी तरफ खींचे चले जाते थे। एक दिन स्कूल में भी स्वामी विवेकानंद अपने दोस्तों से बातें कर रहे थे। बातों-ही-बातों में स्वामी उन सबको एक कहानी सुनाने लगे। उनके दोस्तों को कहानी अच्छी लग रही थी, इसलिए सभी ध्यान से सुन रहे थे। विवेकानंद कहानी सुनाने में और उनके दोस्त उसे सुनने में इतना खो गए कि किसी को पता ही नहीं चला कि कब मास्टर जी क्लास में आ गए। मास्टर जी ने क्लास में आते ही बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। आगे बैठे बच्चे उन्हें ध्यान से सुन रहे थे कि कुछ ही देर में मास्टर जी के कानों तक विवेकानंद की हल्की आवाज पहुंची। उन्होंने ऊंची आवाज में पूछा कि कक्षा में कौन बातें कर रहा है? वहां मौजूद अन्य छात्रों ने विवेकानंद और उनके दोस्तों की ओर इशारा कर दिया। यह जानकर टीचर को गुस्सा आया। उन्होंने उन सभी को अपने पास बुलाया और पूछा कि मैं अभी क्या पढ़ा रहा था? कुछ सेकंड तक किसी से कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने हर बच्चे की तरफ देखते हुए सवाल पूछा। सबने अपनी नजरें झुका ली। तभी टीचर विवेकानंद के पास पहुंचे और कहा कि क्या तुम्हें पता है, मैं क्या पढ़ा रहा था? उन्होंने मास्टर को सही जवाब दे दिया। तब टीचर को लगा कि इन सब बच्चों में से सिर्फ विवेकानंद ही ध्यान से पढ़ रहे थे, दूसरे बच्चे नहीं। यह सोचते ही मास्टर ने स्वामी के अलावा अन्य छात्रों को अपने-अपने बेंच पर खड़े होने की सजा दे दी। सभी ने टीचर की बात मान ली और बेंच पर खड़े हो गए। कुछ ही देर में स्वामी विवेकानंद भी अपनी सीट में जाकर बेंच पर खड़े हो गए। स्वामी को बेंच पर खड़ा देखकर मास्टर ने कहा कि मैंने तुम्हें सजा नहीं दी है तुम बैठ जाओ। नजर झुकाते हुए विवेकानंद ने कहा, सर, मैंने ही इन सभी छात्रों को बातों में लगा रखा था। गलती मेरी ही है। सजा न मिलने पर भी स्वामी विवेकानंद द्वारा सच बोलने पर सभी छात्र काफी प्रभावित हुए।

कहानी से सीखः जीवन में हमेशा सच बोलना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपके विरोधी प्रतिष्ठा बिगाड़ने की चेष्टा कर सकते हैं। अतः सावधान रहें। किसी महत्वपूर्ण या जिम्मेदारी के काम में न उलझना ही आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला

आज आपको कई नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। समर्पित परिश्रम से यदि आप वरिष्ठों को संतुष्ट कर सकते हैं। आपको पॉजिटिव सोच को रखने की जरूरत है।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। मन में खुशियों की भावना रहेगी और सभी से स्नेह करेंगे। काम के सिलसिले में अच्छे नतीजे मिलेंगे।

वृश्चिक

आज आपको कुछ जरूरी कामों में दोस्तों से मदद मिलेगी। इस राशि के आर्ट्स विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बेहतर परिणाम लेकर आया है।

मिथुन

आज नवरात्र के शुभ अवसर पर देवी माँ आपके धन-धान्य में बढ़ोतरी करेगी। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन कुछ खास रहने वाला है।

धनु

आप के लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। आपकी सेहत तो ठीक रहेगी लेकिन किसी बात को लेकर असमंजस की स्थिति में रहेंगे।

कर्क

आज का दिन आपके परिवार के लिए और आपके पारिवारिक जीवन के लिए बहुत शानदार साबित होगा। दिमाग सक्रिय रहेगा। कार्य करने की क्षमता बढ़ेगी।

मकर

आज आपके विरोधी आज खुलकर आपका विरोध करेंगे। चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप अपनी भावनात्मक स्थिति को लेकर काफी चिंतित रहेंगे।

सिंह

आपके लिए आज का दिन थोड़ा कमजोर रह सकता है। स्वास्थ्य बिगड़ने से पाचन क्षमता और इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है, इसलिए अपना ध्यान रखें।

कुम्भ

आपके लिए आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके हर काम में सफलता अर्जित करेंगे लेकिन खर्चों पर नियंत्रण कैसे बनाएं, आपको सीखना होगा।

कन्या

आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में मधुरता आयेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से इंटरव्यू के लिए कॉल आ सकता है।

मीन

आज आप जिस भी काम को पूरा करना चाहेंगे, वो काम जरूर पूरा होगा। आज नवरात्र के शुभ दिन में देवी स्कंदमाता आपके भौतिक सुखों में बढ़ोतरी करेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

डिंपल को दीवानगी की हद तक चाहने लगे थे सनी देओल?

साथ में फिल्में करते हुए अक्सर फिल्मी सितारे एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। इसके कई उदाहरण बॉलीवुड में हैं। मगर, कुछ लव स्टोरी ऐसी हैं, जो बिल्कुल फिल्मी लगती हैं। कुछ ऐसी ही प्रेम कहानी सनी देओल और डिंपल कपाड़िया की बताई जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों चर्चित स्टार्स दीवानगी की हद तक एक-दूसरे से प्यार करने लगे थे। ऐसा माना जाता है कि सनी देओल और डिंपल कपाड़िया के बीच फिल्म बेताब की शूटिंग के दौरान नजदीकियां बढ़ीं। इसके बाद सनी और डिंपल ने फिल्म मंजिल-मंजिल, आग का गोला, गुनाह, नरसिम्हा जैसी फिल्मों में साथ काम किया। फिल्मों में दोनों की जोड़ी दर्शकों को भी खूब पसंद आई। दरअसल, यह वह दौर था, जब डिंपल शादी और मां बनने के बाद फिल्मों में कमबैक कर चुकी थीं। राजेश खन्ना से शादी और फिर बेटियों-ट्विंकल और रिंकी के जन्म के बाद डिंपल ने फिल्मी दुनिया में लौटने का फैसला किया था। उन्होंने राजेश खन्ना के खिलाफ जाकर कमबैक करने की ठानी थी। हालांकि, वह शादी के कुछ वर्षों बाद ही राजेश खन्ना से अलग हो गई थीं, क्योंकि राजेश खन्ना नहीं चाहते थे कि डिंपल शादी के बाद फिल्मों में काम करें। काका का मानना था कि डिंपल घर और बच्चों की जिम्मेदारी संभालें। मगर, डिंपल कपाड़िया को मंजूर नहीं था। राजेश खन्ना से वैचारिक मतभेद के बाद डिंपल कंपाड़िया ने उनसे अलग रहने का फैसला कर लिया था। इसी बीच सनी देओल से नजदीकी के चलते डिंपल काफी सुर्खियों में आ गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सनी जब डिंपल से मिलने उनके घर जाया करते थे तो उनकी दोनों बेटियों से भी एक्टर की काफी अच्छी बॉन्डिंग हो गई थी।

कार्तिक की मुरीद हुई सारा

कहा-आर्यन को दर्शकों की अच्छी है पहचान

बॉलीवुड | मसाला

कार्तिक आर्यन ने आउट-साइडर होते हुए भी मनोरंजन जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लंबा रास्ता तय करते हुए कार्तिक आज अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर छा चुके हैं। कार्तिक की फैन-फॉलोइंग में दिन दोगुनी-रात चौगुनी बढोतरी हो रही है। दर्शकों के स्वाद के बारे में कार्तिक का ज्ञान काफी मायने रखता है, यह सारे कारण हैं कि सारा अली खान भीकार्तिक को लेकर यही राय रखती हैं। सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म गैसलाइट के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी को लेकर एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ से जुड़ीं कई दिलचस्प बातें साझा कीं। हालिया इंटरव्यू में सारा अली खान ने कार्तिक आर्यन के ऑडियंस चुनाव वाली क्वालिटी की दिल खोलकर तारीफ की। एक्ट्रेस ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे अभी तक कोई ऐसा नहीं मिला है जो हमारे दर्शकों की नब्ज को अच्छी तरह से जानता हो। सारा अली खान के इस बयान से दोनों के फैंस बेहद खुश हो गए हैं। सारा ने साफ कर दिया है कि कार्तिक को दर्शकों की अच्छी पहचान है, साथ ही वो क्या देखना पसंद करते हैं इसे भी एक्टर बखूबी जानते हैं। इसका नतीजा भी साफ देखने को मिलता है। देश से लेकर विदेश तक में कार्तिक के फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेहद एक्साइटेड नजर आते हैं। साथ ही कार्तिक जब भी आउटिंग पर जाते हैं, फैंस उनके साथ तस्वीर क्लिक कराने के लिए लाइन लगा लेते हैं।

सिद्धार्थ बोले- फाइटर में दिखेगा दीपिका पादुकोण का क्रेजी अवतार

फिल्म पठान की जबरदस्त सफलता के बाद अब निर्देशक सिद्धार्थ आनंद इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फाइटर में जुटे हुए हैं। फिल्म की शूटिंग हो चुकी है। बता दें कि पठान में अपने एक्शन का दम दिखाने वाली दीपिका पादुकोण फिल्म फाइटर में भी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में भी उनका एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। हाल ही में सिद्धार्थ आनंद ने दीपिका पादुकोण की तारीफों के पुल बांधे हैं।

पठान के बाद फाइटर में भी उनका दिखेगा एक्शन अवतार

सिद्धार्थ आनंद ने कहा, हमने हाल ही में फिल्म का तीसरा शेड्यूल पूरा किया है। पहला शेड्यूल असम में पूरा हुआ, दूसरा कश्मीर में और आखिरी हैदराबाद में हुआ है। हम इस फिल्म के जरिए कुछ बेहद खास क्रिएट करने की यात्रा पर हैं। फिल्म में दीपिका की मौजूदगी पर बात करते हुए सिद्धार्थ आनंद ने कहा, फिल्म फाइटर में दीपिका का बिल्कुल अलग ही अवतार देखने को मिलेगा। सिद्धार्थ ने आगे कहा, पठान में वह एक स्पाई रोल में थीं, वहीं फाइटर में वह एयर फोर्स ऑफिसर के रोल में हैं। वह एक शानदार रोल अदा कर रही हैं। एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए सिद्धार्थ ने आगे कहा, दीपिका रियल लाइफ कैरेक्टर बेहद खूबसूरती से अदा करती हैं। फाइटर में वह कई एक्शन और क्रेजी सीन करती नजर आएंगी। बता दें कि दीपिका पादुकोण इस फिल्म में ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। सिद्धार्थ आनंद ने दीपिका के अलावा ऋतिक को लेकर भी बात की। फिल्म के निर्देशक से जब ऋतिक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ऋतिक रोशन मेरे लिए बेहद स्पेशल हैं। हम पिछले दस वर्षों से साथ काम करते आ रहे हैं। हमारे बीच काफी अलग अंडरस्टैंडिंग है। मैं फिल्म में क्या चाहता हूं, वह इशारों से ही समझ जाते हैं। एक एक्टर और डायरेक्टर के बीच इस तरह की समझ और एनर्जी काफी स्पेशल है। उम्मीद है कि फैंस को यह फिल्म पसंद आएगी।

अजब-गजब | मौत के बाद नर्क पहुंच गया शख्स

चार घंटे बाद फिर हुआ जिंदा

आपने कई ऐसे किस्से सुने होंगे, जिनमें कई लोगों ने दावे किए कि वे मौत के बाद जिंदा हो गए और उन्होंने मौत के बाद के अपने अनुभव साझा किए। इनमें से कई लोगों ने अलग अलग अनुभव शेयर किए। कुछ लोगों का कहना था कि मरने के बाद वे कुछ देर तक स्वर्ग में रहे और वापस आ गए। कई लोगों ने कहा कि उन्होंने तेज रोशनी देखी। अब एक व्यक्ति ने भी ऐसा ही दावा किया है लेकिन उसका अनुभव थोड़ा अलग है। इस व्यक्ति का दावा है कि मरने के बाद वह नर्क गया था।

एक की रिपोर्ट के मुताबिक एक शख्स ने दावा किया है कि मरने के बाद उसे नर्क ले जाया गया। यह शख्स अपने अजीबोगरीब दावे की वजह से इन दिनों सुर्खियों में है। युवक के अनुसार, मरने के बाद उसे सीधे नर्क ले जाया गया, जहां उसकी मुलाकात शैतानों से हुई। इस शख्स के दावे वाकई हैरान कर देने वाले हैं। हालांकि विज्ञान मृत्यु के बाद किसी जीवन की संभावना को नहीं मानता। डॉक्टर ने टिकटॉक पर बताया कि 20 साल की उम्र के एक युवक को एक ड्रग डील में शामिल होने के बाद दिल में छुरा घोंपा गया था। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर्स उसे बचाने का पूरा प्रयास कर रहे थे। उसे ऑपरेशन थियेटर में ले जाया गया। वहां उसका इलाज चल रहा था। 4 घंटे बाद जब उसे होश आया तो शख्स काफी डरा हुआ था। डॉक्टर ने बताया कि जब शख्स को होश आया तो उसने रोते हुए बताया कि वो सीधा नर्क में पहुंच गया था। युवक बुरी तरह से घबराया हुआ था और उसकी आंखों में खौफ था। उसका कहना था कि उसने शैतान को देखा, जो काफी डरावना था। घबराते हुए जब उसने भगवान से प्रार्थना की तो स्वर्ग के दूत उसे नर्क से बाहर निकालकर लाए। डॉक्टर का कहना था कि ये अनुभव अलग था क्योंकि नर्क को लेकर कोई बात नहीं करता और युवक की आंखों में डर भी था। हो सकता है कि शख्स ने शैतान का डर महसूस किया हो। इस घटना के बाद उस शख्स की जिंदगी पूरी तरह से बदल गई। उसने सभी गलत काम छोड़ दिए और अपना पूरा जीवन भगवान के लिए समर्पित कर दिया। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब किसी ने इस तरह का दावा किया हो। इससे पहले भी कई लोगों ने इस बारे में बताया है कि उन्हें धरती से निकलकर किसी और दुनिया में जाने का अनुभव हुआ था।

बोरे की तरह पीठ पर लाद लिया मगरमच्छ, फिर की चहलकदमी

सोशल मीडिया पर मगरमच्छ से जुड़े अक्सर ही आपने बहुत से वीडियो देखे होंगे। जिससे इतना तो समझ में आ गया होगा कि मगरमच्छ कितना खूंखार और खतरनाक जानवर होता है अपने मजबूत और विशाल जबड़ों में एक बार किसी को जकड़ लें, तो छुड़ाना मुश्किल होता है। उसे अपने करीब देख थर थर कांपते हैं लोग। लेकिन एक बच्चे की दिलेरी देखकर आप सन्न रह जाएंगे, जो मगरमच्छ को देखकर भागने की बजाय उसे पीठ पर लादकर घूमता दिखाई दिया। एक वीडियो में छोटा सा बच्चा अपनी पीठ पर मगरमच्छ को लादकर घूमता दिखाई दिया। इस दौरान बच्चे का अंदाज कुछ ऐसा था मानो पीठ पर स्कूल का बैग टांगकर घूम रहा हो। ना डर, ना घबराहट बिल्कुल बिंदास था बच्चा आप भी देखिए वीडियो। सोशल मीडिया पर एक बच्चे का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसे मगरमच्छ के साथ इतना बेफिक्र देखकर लोग हैरान भी थे और उनके रोंगटे भी खड़े हो रहे थे। जिस मगरमच्छ को देखते ही लोगों की सांसे फूलने लगती है, उसे बच्चे ने अपनी पीठ पर दोनों हाथों से पकड़कर टांग रखा था। वीडियो देखकर आप बखूबी समझ सकते हैं कि वो मगरमच्छ ना तो बेहोश था ना मरा हुआ और न ही कोई खिलौना बल्कि वो पानी में रहने वाला जीता जागता शिकारी था जो शेर का शिकार भी आसानी से कर लेता है। कहते हैं कि जानवर बच्चों के साथ खतरनाक रवैया नहीं अपनाते और वीडियो में तो दोनों के दोनों बच्चे ही है शायद इसलिए वे एक दूसरे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा रहे हैं। कई यूजर्स ने वीडियो पर लिखा कि बच्चा इस मगरमच्छ को डिनर की तैयारी के लिए ले जा रहा है तो कुछ ने मज़ाकिया अंदाज में लिखा कि शायद ये घड़ियाल बच्चे से कह रहा होगा की प्लीज़ मुझे छोड़ दो मुझे पानी में जाना है हम बाद में खेलेंगे। वीडियो में लोग बच्चे की हिम्मत की देखकर बेहद हैरान हो रहे हैं।

मौसम ने ली करवट, बारिश व तेज हवाओं ने बढ़ाई सिहरन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शनिवार को एकबार फिर यूपी में मौसम ने करवट बदली। सुबह के समय राजधानी समेत प्रदेश के हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की से तेज बारिश हुई। वहीं तेज हवाओं वजह से सुबह ठंड का भी एहसास हुआ। राजधानी लखनऊ की तो यहां शनिवार की सुबह की शुरुआत तेज बारिश के साथ हुई है।

प्रदेश में तेज बारिश का अलर्ट

करीब 15 से 20 मिनट तक बारिश होने से तापमान में गिरावट होने की उम्मीद लखनऊ मौसम केंद्र ने जताई है। लखनऊ मौसम केंद्र की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक लखनऊ में आज रुक रुक कर दिन भर बारिश होगी। आगरा जिले में ज्यादा बारिश होने की संभावना है। लखनऊ में आज अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहेगा। बारिश के बाद अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।

और बिगड़ सकता है मौसम

लखनऊ मौसम केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि 21 मार्च को लखनऊ में हुई तेज बारिश, आंधी तूफान और ओले गिरने के बाद ऐसा नजर आ रहा था कि तीन दिन बाद मौसम बिगड़ेगा। इसकी जानकारी भी पहले दी गई थी। यही वजह है कि आज एक बार फिर से मौसम बिगड़ा है. इसका असर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। दूसरे जिलों में भी सुबह से लेकर दोपहर तक रुक-रुक कर बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं पर थोड़ी तेज बारिश भी होने की संभावनाएं हैं हालांकि ओले गिरने जैसा अभी कुछ नजर नहीं आ रहा है। बारिश के बाद लखनऊ का मौसम एक बार फिर से सुहावना हो गया है। 21 मार्च के बाद तापमान में बढ़ोतरी हुई थी। अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस तक जा रहा था। वहीं बारिश के बाद अब एक बार फिर से लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। शनिवार को धूप हल्की ही रहेगी। यही नहीं तेज हवा भी चलने का पूर्वानुमान मौसम विभाग ने जारी किया है हालांकि लखनऊ मौसम केंद्र के मुताबिक 21 मार्च को हुई बारिश जैसे हालात फिलहाल नहीं होंगे।

राहुल गांधी पर कार्रवाई सरकार की हताशा : सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राहुल गांधी को संसद सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित किए जाने के बाद कांग्रेस देशभर में केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है। वहीं तमाम विपक्षी पार्टियां भी इस मामले में राहुल गांधी के साथ खड़ी हैं। बिहार में साथ मिलकर सरकार चला रही जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के संबंध में 24 घंटे के अंदर जिस तरह से फैसला लिया गया है। वह दर्शाता है कि केंद्र सरकार हताशा में है।

जेडीयू सांसद ने कहा कि लोकतंत्र की प्रक्रिया होती है, कोर्ट का फैसला चुनाव आयोग में जाता है। चुनाव आयोग के माध्यम से वो स्पीकर के पास जाता है। ये सारी प्रक्रिया 10 घंटे में करना दिखाता है कि इसमें केंद्र सरकार की अहम भूमिका है। वहीं जेडीयू अध्यक्ष ने तेजस्वी यादव से लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई की पूछताछ पर कहा कि उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 14 राजनीतिक दलों ने एक साथ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। मैं भी उसमें याचिकाकर्ता हूं, हमने यही कहा है कि जिस प्रकार केंद्र सरकार ईडी, सीबीआई और आईटी का उपयोग अपने विरोधियों के खिलाफ कर रही है. उस पर ध्यान दिया जाए. 5 अप्रैल को इस पर सुनवाई होगी। राहुल गांधी के संबंध में 24 घंटे के अंदर जिस प्रकार से फैसला लिया गया है वह दर्शाता है कि केंद्र सरकार हताशा में है। लोकतंत्र की प्रक्रिया होती है, कार्ट का फैसला चुनाव आयोग में जाता है। चुनाव आयोग के माध्यम से वे स्पीकर के पास जाता है।

2024 में भाजपा की सरकार को उखाड़ फेंकना होगा : ममता

» पश्चिम बंगाल की सीएम ने कुमारस्वामी से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन बनाने की ममता बनर्जी की प्रक्रिया कुछ और तेज हो गई। इस दिन कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने कालीघाट में ममता से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक बैठक में गठबंधन की संभावित प्रक्रिया के साथ ही कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव पर भी चर्चा हुई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जनता दल (सेक्युलर) (जद-एस) के नेता एच. डी. कुमारस्वामी से शुक्रवार को यहां अपने आवास पर मुलाकात की। कुमार स्वामी शाम करीब चार बजकर 50 मिनट पर बनर्जी के आवास पर पहुंचे।

तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं ने देश में मौजूदा राजनीतिक हालात और 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ लड़ाई एवं उसे हराने के तरीकों पर चर्चा की। तृणमूल कांग्रेस ने किया ट्वीट किया,कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (एस) के नेता एच. डी. कुमारस्वामी ने आज कालीघाट, कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की। टीएमसी नेताओं के अनुसार गैर-भाजपा और गैर-कांग्रेसी नेताओं के साथ बैठक क्षेत्रीय शक्तियों के साथ विपक्षी एकता को मजबूत करने के पार्टी के प्रयासों का हिस्सा है।

राहुल के साथ राजनीतिक प्रतिशोध : स्वामी

कुमार स्वामी ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले उसी साल जनवरी में कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुलाई गई विपक्षी दलों की बैठक में भाग लिया था। शुक्रवार को राहुल गांधी को 2019 के आपराधिक मानहानि के मामले में सूरत की एक अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के एक दिन बाद लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। कुमारस्वामी ने लोकसभा सदस्य के रूप में राहुल गांधी को अयोग्य ठहराए जाने को भाजपा का राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया।

राहुल की बर्खास्तगी संवैधानिक आजादी की ताबूत में आखिरी कील: महुआ

कोलकाता। राहुल गांधी के समर्थन में बीजेपी पर पलटवार करते हुए तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने भी ट्वीट किया है। महुआ ने कहा है कि राहुल गांधी की बर्खास्तगी देश के संवैधानिक आजादी की ताबूत में आखिरी कील है। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, हम इस घटना की कड़ी निंदा करता है। राहुल गांधी को लोकसभा से बर्खास्त करने की घटना साबित करती है कि यह भारत में संवैधानिक स्वतंत्रता के ताबूत में आखिरी कील है। ऐसा पहली बार नहीं है जब तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने खुलकर राहुल का पक्ष लिया हो। 17 मार्च को भी महुआ मोइत्रा ने ट्वीट कर राहुल गांधी का समर्थन किया था।

फिर चमकेगा सूर्य : बल्ले से निकलेंगे रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले वनडे सीरीज में नहीं खेल पाने की वजह से आलोचना के शिकार बने सूर्यकुमार यादव के पक्ष पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह उतरे हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में खेली गई 3 मैचों भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पूरी तरह से फ्लॉप रहे। उन्होंने 3 मैचों की सीरीज में सिर्फ 3 गेंदें खेली। सूर्यकुमार तीनों मुकाबलों में पहली ही गेंद पर आउट हो गए। उनके लिए यह सीरीज किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। बता दें कि सूर्या को चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह टीम में मौका दिया गया था जिसको भुनाने में वो पूरी तरह से नाकाम रहे। हालांकि इतने शर्मनाक प्रदर्शन के बाद भी सूर्यकुमार यादव को टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने उन्हें बैक किया है।

युवराज ने किया समर्थन

भरतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सूर्यकुमार यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन करने के बाद बैक किया है। उनका मानना है कि सूर्या जल्द ही चमकेंगे। युवी ने सोशल मीडिया के सबसे चर्चित प्लेटफॉर्म ट्विटर पर ट्वीट करते हुए सूर्यकुमार यादव को लेकर लिखा, हर खिलाड़ी अपने करियर में उतार-चढ़ाव से गुजरता है। हम सबने कभी न कभी इसका अनुभव किया है। मुझे विश्वास है कि सूर्या भारत के की प्लेयर हैं और वह विश्वकप (वनडे विश्वकप 2023) में टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे अगर उन्हें मौका दिया जाएगा। आइए अपने खिलाड़ियों का समर्थन करें क्योंकि हमारा सूर्या फिर से चमकेगा।

सूर्यकुमार यादव का करियर

32 वर्षीय सूर्यकुमार यादव ने अब तक भारत के लिए 48 टी-20, 23 वनडे और 1 टेस्ट मैच खेला है। हालांकि सूर्या को सबसे ज्यादा सफलता टी-20 फॉर्मेट में मिली है। उन्होंने 48 टी-20 मुकाबलों में 175 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1675 रन बनाए हैं जिसमें उनके बल्ले से 3 शतक और 13 अर्धशतक देखने को मिले हैं। वहीं वनडे में सूर्या ने 2 अर्धशतक के साथ 23 मैचों में 433 रन बनाए हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खेले गए अपने पहले टेस्ट में यादव ने 8 रन बनाए थे।

अमृतपाल से जुड़ी महिला को एनआईए ने हिरासत में लिया

» 19 मार्च की रात बलजीत कौर के घर पर रुका था अमृतपाल और पापलप्रीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब दे के चीफ अमृतपाल की तलाश सुरक्षा एजेंसियों ने तेज कर दी है। सुरक्षा एजेंसियों अमृतपाल से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है। सूत्रों की मानें तो अमृतपाल सिंह उत्तराखंड जा सकता है। इसी के चलते वहां की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। एनआईए की टीम भी उत्तराखंड पहुंच गई है। एनआईए ने देहरादून में एक महिला को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

सूत्रों की मानें तो ये महिला अमृतपाल के अभियान से जुड़ी हुई थी। एनआईए ने पहले महिला के घर जाकर पूछताछ की, बाद में वो उसे अपने साथ दिल्ली ले गई। इससे पहले पुलिस ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले से बलजीत कौर नाम की एक महिला को अरेस्ट किया था। पुलिस ने बताया था कि 19 मार्च की रात हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित एक घर अमृतपाल सिंह और पापलप्रीत सिंह रुके थे। पुलिस के अनुसार, यह घर बलजीत कौर का है और पुलिस ने इस घर की तस्वीर भी जारी की थी।

अमृतपाल अभी भी फरार

8 मार्च को पुलिस के सामने से भागा अमृतपाल सिंह अभी तक फरार है। 7 दिन बीत जाने के बाद भी वो पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पंजाब पुलिस की कार्रवाई पर भी अब सवाल उठ रहे हैं। सभी के मन में ये सवाल है कि आखिर अमृतपाल कहां हैं।

योगी ने दिया सरकार के छह साल का ब्यौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रदेश की जनता के सामने भाजपा सरकार की छह साल की उपलब्धियों का ब्यौरा पेश किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमने छह साल में प्रदेश को लेकर लोगों की धारणा बदलने का काम किया है। अब यूपी की पहचान उपद्रवियों से नहीं उत्सवों से है। अब प्रदेश माफियाओं के कारण नहीं बल्कि महोत्सव के कारण जाना जाता है। उन्होंने कहा कि हमने नया यूपी बनाया है।

छह वर्ष पहले लोग कहते थे कि यूपी में कभी विकास नहीं हो सकता है पर आज पूरा प्रदेश विकास की दौड़ में पहले स्थान पर जगह बना रहा है। उन्होंने कहा कि ये वही उत्तर प्रदेश है जो छह साल पहले हर दूसरे तीसरे दिन दंगा होने और परिवारवाद के कारण जाना जाता था पर अब यूपी की नई छवि देश और दुनिया के सामने है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने यूपी में पुलिस सुधार किए। प्रदेश में सात पुलिस कमिश्नरेट बने। तहसील के स्तर पर फायर ब्रिगेड बने। हर जिले में पुलिस के लिए बैरक बनाए जा रहे हैं और साइबर थानों की स्थापना हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते छह वर्षों में प्रदेश में रोजगार और निवेश के लिए माहौल बना है। सरकारी नौकरियों में जातिवाद, भ्रष्टाचार और परिवारवाद को खत्म किया गया है। सरकारी योजनाओं का लाभ देने में न तो जातिवाद होता है और न ही भ्रष्टाचार। हर किसी को योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

अधिकार सेना ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा

» शिक्षा क्षेत्र में व्याप्त अराजकता को लेकर की पहल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अधिकार सेना के कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। शिक्षा के व्यवसायीकरण व संबंधित अधिकारियों व शिक्षण संस्थाओं के संचालकों की मिलीभगत द्वारा अभिभावकों के शोषण के खिलाफ उनकी समस्याओं को लेकर प्रदेश के सभी जिलों में जिला प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर राज्यपाल को दिये गये ज्ञापन में शिक्षा के व्यवसायीकरण व संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से स्कूल संचालकों द्वारा अभिभावकों का उत्पीड़न रोके जाने एवं पाठ्य पुस्तकों व यूनिफॉर्म को लेकर एवं फीस को लेकर जनपद स्तर शुल्क नियामक समिति की बैठक सुनिश्चित कराए जाने जैसी समस्याओं से अवगत कराते हुये निदान की अपील की गयी है।

पत्रकार डॉ. राकेश पाठक ने मनोज सिन्हा को भेजा कानूनी नोटिस

जम्मू-कश्मीर के एलजी पर महात्मा गांधी के बारे में मिथ्यावाचन करने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। पत्रकार और गांधीवादी कार्यकर्ता डॉ राकेश पाठक ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बारे में मिथ्यावाचन करने पर जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि सिन्हा सात दिन में अपने बयान पर लिखित में सार्वजनिक माफ़ी मांगें अन्यथा अदालती कार्यवाही के लिए कदम उठाया जाएगा। गत 23 मार्च को ग्वालियर के आईटीएम विश्वविद्यालय में डॉ राम मनोहर लोहिया स्मृति व्याख्यान में मनोज सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा था कि शायद कम लोगों को मालूम है..देश में अनेक पढ़े लिखे लोगों को यह भ्रांति है कि गांधी जी के पास लॉ डिग्री थी, गांधी जी के पास कोई डिग्री नहीं थी।

नोटिस में कहा गया है कि मनोज सिन्हा का बयान पूरी तरह मिथ्या है और गांधी जी की शैक्षणिक योग्यता को धूमिल करने और मृत्यु उपरांत उन्हें अपमानित करने की गरज से दिया गया है। सोशल मीडिया पर उनके बयान के वायरल होने के कारण देश दुनिया में गांधी जी की छवि धूमिल हुई है। डॉ पाठक ने कहा है कि न केवल वे बल्कि जो लाखों, करोड़ों लोग महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित हैं, वे सब इस बयान से आहत हुए हैं। डॉ पाठक की ओर से उनके वकील भूपेंद्र सिंह चौहान, पंकज सक्सेना ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को राजभवन, जम्मू कश्मीर के पते पर रजिस्टर्ड डाक से नोटिस भेजा है। राजभवन के आधिकारिक ईमेल पर भी नोटिस प्रेषित कर दिया गया है। नोटिस की प्रतिलिपि उपराज्यपाल की नियोक्ता राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू को भी संलग्न की गई है।

उमेश हत्याकांड: एक माह के बाद भी आरोपी फरार

पुलिस के हाथ खाली, बुलडोजर चलाकर हो रही इतिश्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। फरवरी की 24 तारीख को प्रयाग में उमेशपाल की हत्या की गई थी। शुक्रवार को पूरे एक महीने बीत गए पर पुलिस अब भी लकीर ही पीट रही है। शुरुआत में सरकार व विपक्ष के दबाव में पुलिस ने तेजी दिखाते हुए कुछ एनकांउटर किए और प्रशासन ने आरोपियों के घरों में बुलडोजर चलवाए। पर मुख्य आरोपी आज भी फरार हैं।

गत माह-फरवरी की तारीख 24 फरवरी को धूमनगंज का जयंतीपुर इलाके में राजूपाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल और उनके एक गनर संदीप निषाद को गोलियों से सरेराह मार दिया गया। बाद में उनके गनर राघवेंद्र सिंह की भी मौत हो गई। पुलिस को कुछ ही घंटों में पता चल गया था कि अतीक के बेटे और उसके गुर्गों ने घटना को अंजाम दिया। मतलब 24 फरवरी को ही पुलिस शूटरों के बारे में जान गई थी लेकिन एक महीना बीतने के बाद भी पुलिस वहीं की वहीं खड़ी है। शूटर न जाने कहां हैं। उमेश पाल और अतीक अहमद की दुश्मनी 18 साल पुरानी थी। उमेश अपने रिश्तेदार और दोस्त राजू पाल की हत्या पर मुख्य गवाह बने थे। इसी कारण 2006 में उनका अपहरण कर लिया गया था। उन्हें मारा पीटा धमकाया गया। अतीक का ही खौफ था कि उमेश को अपना बयान बदलना पड़ा था। हालांकि उन्होंने खुद के अपहरण का जो मुकदमा दर्ज कराया था, उसकी वे लगातार पैरवी कर रहे थे।

शाइस्ता को भी नहीं पकड़ पाई पुलिस

इन सारी बातों के बीच सबसे बड़ा यही सवाल है कि जो पांच लोग उमेश को गोली मारते दिख रहे हैं, वे कहां हैं? पुलिस उन्हें सात राज्यों से लेकर नेपाल तक ढूंढ रही है लेकिन, उनका कुछ पता नहीं चला है। एसटीएफ लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी और गोरखपुर की टीमें लगी हुई हैं। प्रयागराज में रहे तमाम तेज तर्रार दरोगाओं और इंस्पेक्टरों को स्पेशल ड्यूटी में बुलाया गया लेकिन किसी के पास शूटरों से संबंधित कोई जवाब नहीं है। शूटर छोड़िए, जिस शाइस्ता की भी उमेश पाल हत्याकांड में बड़ी भूमिका की बात बताई जा रही है, पुलिस उन्हें भी नहीं पकड़ पाई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।